भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 397

27 मार्च, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए

विरासत शहर विकास और संवर्धन योजना

***397. श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटीः**

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय विरासत शहर विकास और संवर्धन योजना (एचआरआईडीएवाई) के अंतर्गत आंध्र प्रदेश के बापतला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित जिलावार तथा राज्यवार चयनित शहरों की सूची तथा उनके चयन के लिए उपयोग किए गए मानदंडों का ब्यौरा क्या है;

(ख) विरासत संरक्षण के लिए इन शहरों में शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं का ब्यौरा और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) उक्त योजना के अंतर्गत आवंटित, जारी और उपयोग की गई कुल धनराशि का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(घ) विरासत संरक्षण और पर्यटन विकास पर इस योजना के प्रभाव का ब्यौरा और आंकड़े क्या हैं; और

(ङ) क्या उक्त योजना के कार्यान्वयन में सरकार के समक्ष कोई चुनौती आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उसका समाधान करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य मंत्री

(श्री मनोहर लाल)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"विरासत शहर विकास और संवर्धन योजना" के विषय में दिनांक 27.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 397 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): विरासत शहर विकास और संवर्धन योजना (हृदय), एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में 21 जनवरी 2015 को शुरू की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य विरासत शहरों के मूल स्वरूप और परंपरा को संरक्षित करना और **निजी क्षेत्र को शामिल करने के साथ-साथ** विभिन्न अवसरों की खोज करके समावेशी विरासत से जुड़े शहरी विकास में सहायता करना है। इसे 12 शहरों अर्थात अजमेर (राजस्थान), अमरावती (आंध्र प्रदेश), अमृतसर (पंजाब), बादामी (कर्नाटक), द्वारका (गुजरात), गया (बिहार), कांचीपुरम और वेलंकन्नी (तमिलनाडु), मथुरा और वाराणसी (उत्तर प्रदेश), पुरी (ओडिशा), और वारंगल (तेलंगाना) में कार्यान्वित किया गया था।

वित्तीय वर्ष 2014-15 के बजट भाषण के दौरान माननीय वित्त मंत्री द्वारा की गई घोषणा के परिणामस्वरूप इस योजना को प्रायोगिक परियोजना के रूप में शुरू किया गया था। शहरों का चयन उनकी विरासत और पर्यटन, धार्मिक महत्व और भौगोलिक विस्तार के आधार पर किया गया था। मंत्रालय ने सम्पूर्ण राष्ट्र, क्षेत्र, संस्कृति और धर्म में हृदय योजना की व्यापकता सुनिश्चित करने के लिए इन चयन मानदंडों पर विचार किया। शहर की विरासत का विकास सिर्फ कुछ स्मारकों के सौंदर्यीकरण और संरक्षण से जुड़ा ना होकर इसकी विरासत विशेषताओं, नियोजन, सफाई, स्वच्छता मानकों, समुदायों के लिए जीवन की गुणवत्ता और अर्थव्यवस्था और आजीविका को ध्यान में रखते हुए पूरे शहर के विकास से जुड़ा है। हृदय के तहत समावेशी विरासत से जुड़े शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए विरासत शहर के मूल स्वरूप और परंपरा को संरक्षित करने हेतु अलग से प्रयास करने की आवश्यकता है। योजना की शुरुआत करने के लिए अमृतसर, अजमेर, मथुरा, गया, कांचीपुरम, वाराणसी और वेलंकन्नी नामक सात शहरों को चुना गया ताकि उनकी विरासत को संरक्षित किया जा सके। इसके बाद अमरावती, बादामी, द्वारका, पुरी और वारंगल नामक पांच और शहरों को हृदय योजना में शामिल किया गया।

आंध्र प्रदेश में अमरावती शहर हृदय योजना के तहत चुने गए शहरों में से एक है। मिशन अवधि के दौरान आंध्र प्रदेश के अमरावती शहर में शुरू और पूरे किए गए कार्यों का विवरण अनुलग्नक-क में दिया गया है। आंध्र प्रदेश में हृदय योजना के तहत किसी अन्य नए शहर या परियोजना की शुरुआत नहीं गई हैं।

(ख) और (ग): इस योजना के लिए कुल परिव्यय 500 करोड़ रुपये था। विरासत संरक्षण के लिए विरासत शहरों में शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं की विस्तृत वर्तमान स्थिति और योजना

के तहत आवंटित, जारी और उपयोग की गई निधियों का राज्य-वार ब्यौरा अनुलग्नक-ख और ग में दिया गया है ।

(घ): हृदय योजना के तहत भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा किए गए प्रभाव आकलन अध्ययन के अनुसार, इन शहरों में इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार, पर्यटन को बढ़ावा देने और वास्तुकला और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए विभिन्न शहरी विकास परियोजनाएं शुरू की गईं। निष्कर्ष के रूप में, भारत के 12 विरासत शहरों में हृदय योजना अपने विविध और बहुआयामी प्रभावों पर प्रकाश डालती है। हृदय योजना ने विरासत संरक्षण, आर्थिक विकास और बेहतर सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न शहरों में उल्लेखनीय सुधार किए हैं। उदाहरण के लिए, अजमेर, अमरावती और बादामी जैसे शहरों में स्वच्छता, पर्यटन और सामुदायिक विकास में सुधार आया है। अमृतसर, गया और वाराणसी ने विरासत पुनरुद्धार, समावेशिता और आर्थिक विकास को प्राथमिकता दी, जबकि वारंगल और पुरी में पर्यटन और सार्वजनिक सुविधाओं में वृद्धि हुई है। कांचीपुरम और मथुरा में सुरक्षा और इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार हुआ, जबकि वेलनकन्नी अपनी पर्यावरणीय स्थिरता और विरासत संरक्षण में सबसे आगे रहा है। कुल मिलाकर, इस योजना ने निवासियों के जीवन की गुणवत्ता को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है और पर्यटन को बढ़ावा दिया है।

(ङ.): हृदय योजना के कार्यान्वयन के दौरान, ऐसी परियोजनाओं को समय पर कार्यान्वित और पूरा करने में संबंधित स्थानीय सरकारों/यूएलबी की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही। एक स्थान पर, हृदय योजना के कार्यान्वयन में शहरी स्थानीय निकाय में समन्वय की कमी के परिणामस्वरूप परियोजना को पूरा करने में देरी हुई। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, मंत्रालय ने परियोजना साइट का दौरा किया और परियोजना को पूरा करने के लिए शहरी स्थानीय निकायों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई की। हृदय की मिशन अवधि 31 मार्च, 2019 को पूर्ण हो गई है। 31 मार्च, 2019 के बाद आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय में हृदय योजना के तहत किसी नए शहर या परियोजना को शामिल नहीं किया गया है। हृदय योजना के बंद होने पर, विरासत घटक को राष्ट्रीय तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) मिशन में शामिल किया गया है, जिसे वर्तमान में पर्यटन मंत्रालय द्वारा संचालित किया जा रहा है।

*****

अनुलग्नक-क

दिनांक 27 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 397 के उत्तर में उल्लिखित।

हृदय की मिशन अवधि के दौरान अमरावती शहर (आंध्र प्रदेश) में शुरू और पूरे किए गए कार्यों का विवरण

क्र.सं.	**कार्य का नाम**	**जारी की गई धनराशि (करोड़ रुपए में)**
1	विरासत स्थलों तक पहुंचने वाली सड़कों का उन्नयन	10.01
2	हेरिटेज वॉक का विकास	2.32
3	अमरावती तालाब (नुनेगुंडमचेरुवु) का पुनर्विकास	4.27
कुल		**16.60**

*****

अनुलग्नक-ख

दिनांक 27 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 397 के उत्तर में उल्लिखित।

हृदय योजना के अंतर्गत परियोजनाओं की शहर-वार स्थिति

अमृतसर (पंजाब) में हृदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	रामबाग गार्डन के लैंडस्केप इम्परुवमेंट और हिस्टॉरिक एज डिलिनीयेशन	पूर्ण
रामबाग गार्डन में सर्फेस पार्किंग का प्रावधान		रद्द
2	रामबाग गेट का पुनरुद्धार एवं अनुकूलनीय पुनःउपयोग	पूर्ण
3	स्वर्ण मंदिर तक जाने वाली 21 प्रमुख सड़कों का व्यापक विकास और उन्नयन	पूर्ण
रामबाग गार्डन के दक्षिणी किनारे पर पब्लिक प्लाजा का विकास		रद्द
4	गोलबाग में स्ट्रीटस्केप और लैंडस्केप सुधार के माध्यम से कनेक्टिविटी और लिंकेज़ को पुनर्व्यवस्थित करना	पूर्ण
5	बाहरी और आंतरिक वृत्ताकार सड़क के साथ गतिशीलता कारीडोर का व्यापक सुधार	पूर्ण
6	40 खुह, या 40 कुओं और औपनिवेशिक काल के पावर हाउस का पुनरुद्धार और इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास	पूर्ण
* जल पर्यावरण व्याख्या केंद्र और निगम भवन के रूप में सुविधा उन्नयन की कहानी के रूप में पंप हाउस, 40 खुह, अमृतसर के अनुकूली पुनः उपयोग के लिए अतिरिक्त घटक		पूर्ण
7	यूबीडीसी नहर पर पर्यावरण पार्क का विकास	पूर्ण
8	डीसी कार्यालय की औपनिवेशिक काल की इमारत के ऐतिहासिक ढांचे का संरचनात्मक नवीनीकरण और उन्नयन	पूर्ण
9	महाराजा रणजीत सिंह पैनोरमा का उन्नयन	पूर्ण

10	सेंसर के साथ शहर में व्याख्यात्मक साइनेज #	पूर्ण
11	विभिन्न स्थलों पर समुचित रोशनी के लिए हेरिटेज लाइटिंग	पूर्ण
12	ऐतिहासिक द्वारों का संरक्षण और हेरिटेज जोन में सुधार4 – सर्कुलर रोड – ऐतिहासिक कनेक्टर	पूर्ण

<u>अमरावती (आंध्र प्रदेश) में हृदय परियोजनाएं</u>

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**प्रगति की स्थिति**
1	विरासत स्थलों तक पहुंच मार्गों का उन्नयन	पूर्ण
2	हेरिटेज वॉक का विकास	पूर्ण
3	अमरावती तालाब का विकास (नुनेगुंडमचेरुवु)	पूर्ण

<u>अजमेर (राजस्थान) में हृदय परियोजनाएँ</u>

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**प्रगति की स्थिति**
1	अकबरी किला और सोनीजीकी नसिया को जोड़ने वाले हेरिटेज वॉक का विकास	पूर्ण
2	जयपुर रोड परिसर का विकास	पूर्ण
3	पुष्कर हेरिटेज वॉक का विकास	पूर्ण
4	सुभाष उद्यान का विकास	**पूर्ण**
5	अन्नासागर लेकफ्रंट का उन्नयन	**पूर्ण**
6	लोंगिया अस्पताल, अजमेर में सतही वाहन पार्किंग का विकास	**पूर्ण**
7	अजमेर में रेल संग्रहालय का विकास	**पूर्ण**

बादामी (कर्नाटक) में ह्रदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	तक्कोटे गांव में मलजल शोधन संयंत्र का विकास । (भूमिगत जल निकासी कार्य द्वारा प्रतिस्थापित)	**पूर्ण**
2	बादामी शहर के लिए शून्य अपशिष्ट प्रबंधन	पूर्ण
3	ऐतिहासिक, परंपरागत शैली की इमारत के अग्रभाग और स्ट्रीटस्केप में सुधार	रद्द
*मेहराबों के निर्माण, जंक्शनों और शौचालय ब्लॉक के सुधार के लिए अतिरिक्त घटक **(राशि सीपीडब्ल्यूडी को हस्तांतरित)**		पूर्ण
4	मुख्य सड़क, परिवहन अवसंरचना, पार्किंग और सड़क संकेतक का एकीकृत विकास और सुधार	पूर्ण
* मुख्य सड़क परिवहन अवसंरचना, पार्किंग और सड़क संकेतक प्रवेश द्वार की मेहराब का एकीकृत विकास और सुधार **(राशि सीपीडब्ल्यूडी को हस्तांतरित)**		85% प्रगति

द्वारका (गुजरात) में हृदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	सब्जी बाजार चौक	पूर्ण
2	सिद्धेश्वर महादेव परिसर	पूर्ण
3	दर्शन पथ – तीन बत्ती	पूर्ण
4	हेरिटेज जोन का विकास 01 द्वारकाधीश मंदिर चौक	पूर्ण
5	हेरिटेज जोन का विकास 04 मुख्य प्रार्थना मार्ग (दर्शन पथ) इस्कॉन गेट से द्वारकाधीश मंदिर तक	पूर्ण
6	बेट द्वारका दर्शन सर्किट का विकास	पूर्ण
7	द्वारका में सब्जी मंडी, ब्रह्म कुंड, हरि कुंड और सावित्रीवाव का पुनरुद्धार	पूर्ण
8	द्वारका में चिन्हित विरासत क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे और वाई-फाई सिस्टम की स्थापना	पूर्ण

गया (बिहार) में हृदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	गया में घाटों और सरोवरों का विकास : ब्रह्मसत और बैतरणी सरोवर	पूर्ण
2	घाट और विष्णुपद मंदिर परिसर का विकास	पूर्ण
3	गया में अक्षय वट परिसर (जोन-2) का विकास	पूर्ण
4	बोधगया में डुंगेश्वरी पहाड़ी से महाबोधि मंदिर (जोन-6) तक पैदल पथ का विकास	पूर्ण
5	सीताकुंड मंदिर परिसर का विकास	पूर्ण
6	पिता महेश्वर सरोवर का विकास	पूर्ण
# चार स्वागत आर्चों **का निर्माण**		**परियोजना रद्द**
7	राम कुंड, राम सागर, गोदावरी और सिंगरास्थान सरोवर (चरण-I) का सौंदर्यीकरण और विकास सिंगरास्थान फेज-II*	पूर्ण

कांचीपुरम (तमिलनाडु) में हृदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	एकम्बरेश्वर मंदिर के आसपास विकास और इन्फ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन	पूर्ण
2	वरदराजपेरुमल मंदिर क्षेत्र के आसपास विकास और इन्फ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन	पूर्ण
3	कामाची अम्मन मंदिर के आसपास विकास और इन्फ्रास्ट्रक्चर कार्य	पूर्ण

मथुरा (उत्तर प्रदेश) में हृदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	वृंदावन परिक्रमा मार्ग का पुनर्विकास एवं पुनरुद्धार	पूर्ण
2	कृष्ण जन्मभूमि परिक्षेत्र	पूर्ण
3	ऐतिहासिक छत्ता बाजार का पुनरुद्धार	पूर्ण
4	ऐतिहासिक विश्रामघाट का पुनरुद्धार	पूर्ण
5	कृष्ण जन्मस्थान, वृन्दावन परिक्रमा मार्ग और विश्रामघाट पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना	पूर्ण
6	कृष्णापुरी तिराहा का सौंदर्यीकरण	पूर्ण
7	पोतराकुंड में अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था	पूर्ण
8	कृष्णापुरी तिराहा से सुभाष इंटर कॉलेज तक सड़क का सुदृढ़ीकरण एवं सौन्दर्यीकरण ।	पूर्ण

पुरी (ओडिशा) में हृदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**प्रगति की स्थिति**
1	बांकीमुहाना में अपशिष्ट जल शोधन संयंत्र से शोधित जल का उपयोग करके लैंडस्केप गार्डन का विकास	**पूर्ण**
2	श्री जगन्नाथबल्लभमठ उद्यान का भूदृश्य विकास	पूर्ण
3	अथरनाला नदी के किनारे भूदृश्य विकास आदि	पूर्ण

4	बड़ा उड़िया मठ और गंगा माता मठ का सुधार और अग्रभाग उन्नयन	पूर्ण
5	जग अखाड़ों में अवस्थित पोखरियों, तालाबों का पुनरुद्धार	पूर्ण
6	श्री जगन्नाथ मंदिर के परिक्रमा मार्ग (परिधि) के सहारे भवन के अग्रभागों का नवीनीकरण	पूर्ण

वारंगल (तेलंगाना) में हृदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	भद्रकाली झील के तट के अग्रभाग का विकास	पूर्ण
2	1000 स्तंभ मंदिर क्षेत्र में विकास कार्य	पूर्ण
3	काजीपेठ दरगाह स्थित विकास कार्य	पूर्ण
4	पद्माक्षी मंदिर के तालाब का पुनरुद्धार और हनमकोंडा पहाड़ी के जैन स्थलों का विकास	पूर्ण
5	वारंगल किले का पुनरुद्धार और विकास	पूर्ण

वेलनकन्नी (तमिलनाडु) में हृदय परियोजनाएँ

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	वेलंकन्नी में सहायक इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास	**पूर्ण**
2	तीन निर्धारित क्षेत्रों में विरासत से जुड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास	पूर्ण
3	तीन निर्धारित क्षेत्रों में विरासत से जुड़ी अतिरिक्त अवसंरचना का विकास	पूर्ण

वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में ह्रदय परियोजनाएँ

क्रम. सं.	परियोजना का नाम	प्रगति की स्थिति
1	विभिन्न विरासत स्थलों तक 10 पहुंच मार्गों का निर्माण	पूर्ण
दशाश्वमेध - गोदौलिया संस्कृति क्वार्टर का विकास ।		परियोजना रद्द
2	टाउन हॉल का हेरिटेज सेंटर के रूप में पुनर्विकास	पूर्ण
3	विभिन्न विरासत स्थलों तक जाने वाली 24 सड़कों का विकास	पूर्ण
4	दुर्गाकुंड , कुरुक्षेत्र पोखरा और अस्सीघाट को जोड़ने वाली सड़क के विरासत परिक्षेत्र का विकास	पूर्ण
5	विरासत कलात्मक पेंटिंग कार्य	पूर्ण
6	कबीरचौरा और पिपलानी कटरा के आसपास हेरिटेज वॉक	पूर्ण
7	86 विरासत स्थलों का विकास	पूर्ण
8	पुराने काशी क्षेत्र में एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग के लिए विरासत संवेदनशील बुनियादी ढांचे का कार्यान्वयन	पूर्ण
9	विभिन्न विरासत स्थलों तक जाने वाली 10 सड़कों का थीमेटिक विकास	पूर्ण
10	टाउन हॉल और दुर्गा मंदिर के ऐतिहासिक स्मारक के लिए अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था	पूर्ण
11	हेरिटेज सेंसिटिव एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग की स्थापना	पूर्ण

अनुलग्नक-ग

दिनांक 27 मार्च, 2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 397 के उत्तर में उल्लिखित।

विरासत संरक्षण के लिए विरासत शहरों में शुरू की गई प्रमुख परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और योजना के तहत राज्य-वार/शहर-वार आवंटित, जारी और उपयोग की गई धनराशि का विवरण ।

(करोड़ रुपए में)

क्र. सं.	**शहर**	अनुमोदित धनराशि	**जारी की गई** धनरा**शि**	**प्राप्त हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र**	**वर्तमान स्थिति**		
					अनुमोदित परियोजनाएं	**पूर्ण परियोजनाएँ**	**लंबित परियोजनाएं**
1	अजमेर (राजस्थान)	38.18	34.17	22.47	7	7	शून्य
2	अमरावती (आंध्रप्रदेश)	18.47	16.60	69.91	3	3	शून्य
3	अमृतसर (पंजाब)	74.20	72.96	19.96	12	12	शून्य
4	बादामी (कर्नाटक)	19.70	19.03	14.20	4	3	1
5	द्वारका (गुजरात)	32.20	27.76	26.11	8	8	शून्य
6	गया (बिहार)	36.52	34.74	13.97	7	7	शून्य
7	कांचीपुरम (तमिलनाडु)	20.00	19.48	57.65	3	3	शून्य
8	मथुरा (उत्तर प्रदेश)	21.75	21.75	13.39	8	8	शून्य
9	पुरी (ओडिशा)	16.72	16.12	24.56	6	6	शून्य
10	वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	87.62	87.62	19.43	11	11	शून्य
11	वेलनकन्नी (तमिलनाडु)	19.26	19.03	11.39	3	3	शून्य
12	वारंगल (तेलंगाना)	34.95	32.82	29.70	5	5	शून्य
कुल		**419.57**	**#402.08**	**@322.74**	**77**	**76**	***01**

*बादामी में 9.37 करोड़ रुपये की लागत वाली 1 परियोजना कार्यान्वयनाधीन है।

अनुमोदित धनराशि और जारी धनराशि में अंतर कार्य के दायरे में परिवर्तन और निविदा लागत में भिन्नता के कारण है।

@ अलग-अलग राशि के शहरी स्थानीय निकायों से उपयोगिता प्रमाण पत्र अभी भी प्राप्त होने हैं।

****